शाह रुख खान के नाम पर बनी स्कॉलरशिप गोपिका को मिली

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आइएफएफएम) 2020 अपने ग्यारहवें साल में प्रवेश कर रहा है। पिछले साल इस फेस्टिवल में मुख्य अतिथि के तौर पर शाह रुख खान को आमंत्रित किया गया था। जहां ला ट्रोब यूनिवर्सिटी के सहयोग से फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में शाह रुख खान के नाम से एक स्कॉलरशिप की घोषणा की गई थी। इस साल यह स्कॉलरशिप केरल के युवा महिला शोधकर्ता गोपिका कोट्टनथराइल भासी को दिया गया। पशु विज्ञान, पारिस्थितिकी और आणविक अध्ययन के जरिए कृषि के विभिन्न तरीकों पर काम कर रही गोपिका को यह सम्मान मेलबर्न से पहले मुंबई में बुधवार को फेस्टिवल की टीम द्वारा रखे गए एक खास कार्यक्रम में दिया गया। करीब 800 भारतीय महिलाओं में से उन्हें चार साल की इस स्कॉलरशिप के लिए चुना गया था। इस स्कॉलरशिप को लेकर शाह रुख खान ने कहा कि वह गोपिका के समर्पण और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा करते हैं। यह स्कॉलरशिप उन्हें मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में ला ट्रोब तक के सफर में सक्षम बनाएगी। वहां रहकर वह भारत के कृषि क्षेत्र को बेहतर बनाकर अपने सपने को पूरा कर पाएंगी।

शाह रुख खान के नाम पर बनी स्कॉलरशिप गोपिका को मिली

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आइएफएफएम) 2020 अपने ग्यारहवें साल में प्रवेश कर रहा है। पिछले साल इस फेस्टिवल में मुख्य अतिथि के तौर पर शाह रुख खान को आमंत्रित किया गया था। जहां ला ट्रोब यूनिवर्सिटी के सहयोग से फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में शाह रुख खान के नाम से एक स्कॉलरशिप की घोषणा की गई थी। इस साल यह स्कॉलरशिप केरल के युवा महिला शोधकर्ता गोपिका कोट्टनथराइल भासी को दिया गया। पशु विज्ञान, पारिस्थितिकी और आणविक अध्ययन के जरिए कृषि के विभिन्न तरीकों पर काम कर रही गोपिका को यह सम्मान मेलबर्न से पहले मुंबई में बुधवार को फेस्टिवल की टीम द्वारा रखे गए एक खास कार्यक्रम में दिया गया। करीब 800 भारतीय महिलाओं में से उन्हें चार साल की इस स्कॉलरशिप के लिए चुना गया था। इस स्कॉलरशिप को लेकर शाह रुख खान ने कहा कि वह गोपिका के समर्पण और दृढ़ संकल्प की प्रशंसा करते हैं।